11. धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब (साक्षात्कार)

I उन्मुखीकरण से जुड़े प्रश्न :

प्र.1. हवाई जहाज़ का आविष्कार किसने किया?

उ. हवाई जहाज़ का आविष्कार विलबर राइट व ओरोविन राइट भाइयों ने किया।

प्र.2. उड़ते हवाई जहाज़ को देखकर आपको क्या लगता है? क्यों?

उ.उडते हुए हवाई जहाज़ को देखकर हमे भी, आसमान में उड़ने, सैर करने का मन करता हैं। क्योंकि मछली के जैसा तैरना हो तो हम पानी में तैर सकते है किंतु पंछी की तरह उड़ना हो तो बिना हवाई जहाज के संभव नही है।

प्र.3. पशु-पक्षी और मानव गुणों में क्या अंतर है?

उ. पशु-पक्षियों को मानव की तुलना में कुछ विशिष्ट प्रकृतिक गुण प्राप्त हुए हैं।

उ. मानव के पास बुध्दि है, अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए भाषा है, अपनी सोच है यह सब पशु-पक्षियों के पास नही है किंतु उनके पास भूकंप को जानने की शक्तिहै, घ्राण-शक्ति (सूँघने की शक्ति) है और पक्षियों के पास हवा में उडने की ताकत है।ये उनके विशिष्ट प्राकृतिक गुण हैं। हम मानवों के पास ये गुण नहीं हैं। यही पशु-पक्षीऔर मानव में अंतर है।

उद्देश्य :

देश की सुरक्षा का कार्य अत्यंत महान कार्य है। इसके लिए अनेक प्रकार के नवीन तथा वैज्ञानिक उपकरण अपना विशेष दायित्व निभाते हैं। उन्ही में कृत्रिम उपग्रह, रॉकेट,मिज़ाइल

तथा रासायनिक वायु आदि का आविष्कार हुआ है। इस पाठ के द्वारा छात्रों में देश की सुरक्षा की भावना जागृत कराना और उपकरणों का आविष्कार करनेवाले वैज्ञानिकों की जानकारी देना ही इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है।

विधा विशेष :

प्रत्यक्ष रूप से प्रश्नोत्तर द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया ही साक्षात्कार है। इस पाठ में साक्षात्कार विधा का परिचय दिया गया है। जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिज़ाइल मैन मान्य अब्दुल कलाम जी का साक्षात्कार, जो कुछ छात्रों ने लिया था और टेसी थॉमस, मिज़ाइल वुमन दवारा इंडिया टुडे साप्ताहिक पत्रिका को दिया गया साक्षात्कार- यहाँ प्रस्तुत किये जा रहे हैं।

विषय - प्रवेश :

''आज हमारे यहाँ जब भी अंतरिक्ष विज्ञान और मिज़ाइल की बात की जाती है, तो सभी के मस्तिष्क में एक ही नाम गूँजता है - 'ए.पी.जे. अब्दुल कलाम'। सच्चे अर्थो में वे देश के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श हैं। उन्होंने दुनिया के मानचित्र में भारत को जो स्थान दिलाया है, उसके लिए भारतवासी उनके ऋणी हैं। मैं गर्व के साथ कहना चाहती हूँ कि वे मेरे गुरु हैं।'' इतने सुंदर विचार रखने वाली भारत की प्रथम 'मिसाइल वुमन' शिष्या टेसी थॉमस और उनके गुरू ए.पी.जे अब्दुल कलाम केबारे में जानने के लिए आगे पढ़े.

लेखक परिचय :

		साक्षात्कार - एक	साक्षात्कार - दो
1.	साक्षात्कार देनेवाला :	अब्दुल कलाम	- टेसी थॉमस
2.	साक्षात्कार कर्ता (लेनेवाला) :	कुछ छात्र (कलाम जी, राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान, उस समय के कुछ छात्र)	- इंडिया टुडे साप्ताहिक पत्रिका (प्रसिद्ध भारतीय साप्ताहिक पत्रिका)

कठिन शब्द और अर्थ :

1. वैज्ञानिक = शास्त्रज्ञ	2. साक्षात्कार = मुलाकात
3. योगदान = सहयोग	4. कारगर = असरदार
5. कानूनन = शासन के अनुसार	6. नशाखोरी = मादक द्रव्य
7. मुहिम = कठिन काम	8. उन्मूलन = निर्मूलन
9. अनुसंधान = खोज	10. निर्देशक = आदेश देनेवाला
11. बयान करना = वर्णन करना	12. साक्षात्कार कर्ता = मुलाकत लेनेवाला
13. समालापी = प्रक्षेपणास्त्र, त्रिपणी	14. मिसाइल = प्रक्षेपणात्र, क्षिपणी
15. अभियान = खास कार्यक्रम	16. भ्रष्टाचार = लाचखोरी आचरणहीनता

प्रश्नोत्तर :

प्र.1. निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

उ. भारतीय संसद ने संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के माध्यम से ६ से 14

वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा पाने केअधिकार को मौलिकअधिकार के रूप में घोषितकर दिया गया है। ६ से १४ वर्षीय बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जा रही हैं। पाठशालाएँ बच्चों की पहुँच के अंदर हो इसी कोशिश की जा रही है। पाठशालाओं में सुविधाएँ बढ़ाई जा रही हैं। प्रवेश-परीक्षा नहीं होती है। मौलिक या मानसिक रूप से सजा देना निषेधहै। इस के अलावा, मुफ्त रूप से पुस्तकें व वर्दी दी जा रही हैं। दोपहर को मुफ्त से भोजन दिया जा रहा है। छात्र वृत्ति भी दी जा रही है।

प्र.2. एक छात्र में कौन-कौन से महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए?

उ. एक छात्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण है- उसकी अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के

प्रति आदर का गुण ये गुण छात्र को निस्संदेह आदर्श नागरिक बनायेंगे।

प्र.3. एक छात्र के रूप में विकसित भारत क स्वप्न को साकार करने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?

उ.1. एक छात्र होने के नाते, आप जिस कक्षा में भी पढ़ते हो, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

2. अपने जीवन में पहले एक लक्ष्य बनायें। फिर उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान औरअनुभव प्राप्त करें।

3. निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढ़िया काम करने की ओर बढ़ते रहें।

4. नैतिक मूल्यों को ग्रहण करें। हमेशा परिश्रमी बनने का प्रयास करना चाहिए।

5. छुट्टी के दिनों में छात्र गरीब ओर सुविधाओं से वंचित बच्चों को पढ़ाने का काम करें ओर इसे अपन जीवन में एक उद्देश्य के रूप में लें।

6. छात्र अधिक से अधिक पौधे लगायें। इससे पर्यावरण को संतुलित बने रहने में सहायता मिलेगी। हमारे ये कार्य न केवल हमको, बल्कि हमारे राष्ट्र को भी विकास और समृद्धि के पथ पर ले जायेंगे।

प्र.4. भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने में छात्रों का क्या योगदान हो सकता है?

उ. भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने में छात्रों का बड़ा योगदान हो सकता है। यह आंदोलन अपने घर और विद्यालय से ही आरंभ करना होगा। भ्रष्टाचार उन्मूलन में माता, पिता और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक बहुत बड़े सहायक सिध्द हो सकतेहैं। यदि ये तीनों, बच्चों को ईमानदारी और सच्चाई का पाठ पढ़ाते हैं तो इसके बाद जीवन में शायद ही कोई उनको हिला पाएगा। अतः हर घर में इस तरह का आंदोलनहोना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार मिटाने के लिए हमें संकल्प लेना चाहिएतथा सदैव ईमानदार एवं भ्रष्टाचार मुक्त जीवन का निर्वाह कर दूसरों के लिए आदर्शवान बने रहें।

प्र.5. बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश क्या है?

उ.बच्चे जो भी पढ़े ध्यान से पढ़े, मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रूके नहीं। जो उन्हें पसं द हैं, उसमें अपना जी-जान लगा दें। कमर कसकर तैयारी करें। सफलता अवश्य उनके कदम चूमे गी। यही बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश है।

प्र.6. टेसी यॉमस को 'अग्नि-पुत्री' का उपनाम क्यों दिया गया होगा?

उ.

रक्षा अनुसंधान और विज्ञान को पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है। मगर टेसी ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ निश्चय से पुरुष वर्चस्व वाले क्षेत्र में सफलता के नए शिखर तय किए हैं। वे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के अग्नि कार्यक्रम की निदेशिका बनीं। उन्हे मिसाइल प्रॉजेक्ट की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव प्राप्त हुआ। अग्नि मिज़ाइल अभियान भी सफल हुआ। इसीलिए उनको भारत की 'प्रथम मिज़ाइल वुमन' और 'अग्नि पुत्री' उपनाम दिए गए होंगे।

अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया।

अ. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र.1. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे कुछ और महापुरुषों के नाम बताइए।

उ. डॉ. सर सी.वी.रामन, जगदीश चंद्रबोस, एल्ला प्रगडा सुब्बाराव, सतीष धवन आदि।

प्र.2. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और टेसी थॉमस में आपको सबसे अच्छी बात कौन सी लगी और क्यों?

उ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और लगन से यह सिद्ध कर दिखाया कि मनुष्य के लिए विश्व में कुछ भी असंभव नहीं है। मन में अगर चाह हो तो उसे राह अपने आप मिल जाती है।यह बातें अच्छी लगी। टेसी थॉमस के जीवन की मेहनत, लगन और

दृढ़ निश्चय आदि बातें बहुत अच्छी लगीं। क्योंकि उन्होंने इन्ही केद्वारा पुरुष वर्चस्ववाले क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण पहचान बनाई है।

आ. पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

प्र.1. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का साक्षात्कार किसने लिया?

उ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जब राष्ट्रपति के पद पर थे तब कुछ छात्रों ने उनका साक्षात्कार लिया।

प्र.2. टेसी थॉमस का साक्षात्कार किसने लिया?

उ. टेसी थॉमस का साक्षात्कार ''इंडिया टुडे' साप्ताहिक पत्रिका ने लिया।

प्र.3. ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने बाल मज़दूरी को समाप्त करने के लिए क्या उपाय बतायें

उ.बच्चे अभिभावकों को नशाखोरी से मुक्ति दिलाने के लिए मुहिम चलायें। प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से शिक्षित करने की व्यवस्था भी करें। तभी अभिभावक बच्चों को मज़दूरी करने से दूर रख सकते है। इसी के साथ और भी तीन उपाय है -

1. बच्चा स्वयं अपनी पढ़ाई जारी रखने में रूचि दिखायें।
2. माता-पिता को शिक्षित करके और
3. बच्चों से काम लेने वाले मालिकों में आत्म-नियंत्रण की प्रवृत्ति का विकास करे, ताकि वे उन बच्चों को अपने बच्चे जैसा ही समझें।

प्र.4. टेसी थॉमस की स्कूली पढ़ाई कहाँ हुई? उन्हें किन विषयों में रूचि थी?

उ. टेसी थॉमस की शिक्षा उनकी दीक्षा केरल स्थित अलप्पुझा में हुई। उन्हें गणित और विज्ञान के विषय में रूचि थी।

इ. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

1. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए व्यापक आंदोलन की आवश्यकता है।

उ. यह वाक्य ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी द्वारा कहा गया है। वो कहते है कि ''भ्रष्टाचार'' के उन्मूलन के लिए व्यापक आंदोलन की आवश्यकता है। यह आंदोलन अपने घर और विद्यालय से ही आरंभ करना होगा। भ्रष्टाचार उन्मूलन में केवल तीन ही तरहके लोग सहायक सिद्ध हो सकते हैं। वे हैं - माता, पिता और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक यदि तीनों बच्चों को ईमानदारी और सच्याई का पाठ पढाते हैं तो इसके बाद में ही कोई उन्हें हिला पायेगा। हर घर में इस तरह केआंदोलनकी आवश्यकताहै।''

प्र.2. सच्चे अर्थों में वे देश के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श हैं।

उ.यह वाक्य टेसी थॉमस ने उनके गुरू ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिए कहा है। इसी के साथ वे बताती हैं कि सच्चे अर्थों में वे देश के हो नहीं, बल्कि पूरी दुनिया केआदर्श हैं। उन्होंने दुनिया के मानचित्र में भारत को जो स्थान दिलाया है, उसके लिएभारतवासी उनके ऋणी हैं। उन्होंने ही टेसी थॉमस को प्रेरणा 'अग्नि पंख' दिये हैं। वेमहान थे, महान हैं और महान रहेंगे।

ई. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (टेक्स्ट बुक पेज नं. 72)

प्र.1. विज्ञान कैसा विषय है?

उ. विज्ञान ऐसा विषय है जो किताबों में कम और समझ में ज्यादा बसता है।

प्र.2. विज्ञान के कुछ उदाहरण दीजिए।

उ.ऋतुओं का बदलना, बीज से नन्हे पौधे का निकलना, पानी पर कागज़ की नावों का तैरना, पक्षियों का उड़ना, तितलियों के द्वारा फूलों का मकरंद पीना, गुब्बारो काहवा से फूलना आदि विज्ञान के कुछ उदाहरण हैं।

प्र.3. जानने की इच्छा न हो तो क्या होगा?

उ. जानने की इच्छा न हो तो वो किताबें पढ़कर भी कुछ नहीं सीख सकता।

अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता :

अ. इन प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए।

प्र.1. कलाम के विचार में ''आदर्श छात्र'' के गुण क्या हैं?

उ. कलाम के विचार में ''आदर्श छात्र'' के गुण ये हैं। जैसे :

1. अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण आदर्श छात्र का मुख्य गुण है।
2. लक्ष्य सिध्दि के लिए निरंतर प्रयत्नशील होना।
3. नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना।
4. खूब परिश्रम करना।
5. निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढिया काम करना।
6. छुट्टी के दिनों में गरीब बच्चों को पढ़ाना
7. लक्ष्य बनाकर उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करें।
8. अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगायें।

प्र.2. टेसी थॉमस के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है?

उ. हम जो भी पढ़े ध्यान से पढ़े, मेहनत करें, लक्ष्य प्राप्त करने तक रूके नहीं।

हमें जो पसंद है उसमें अपना जी-जान लगादें। कमर कसकर तैयारी करें। लड़कियाँ को नहीं सोचना चाहिए कि वे लड़कों से कम हैं। ज्ञान-विज्ञान, प्रौद्योगिकी (टेक्नॉलजी) आदि क्षेत्र स्त्री-पुरुष के लिए समान है। टेसी थॉमस के जीवन से हमें यही संदेश मिलता है।

आ. इन प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए।

प्र.1. अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन-से गुण होने चाहिए?

उ. अच्छे नागरिक बनने के लिए निम्न लिखित गुण होने चाहिए। जैसे :

1. सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक होना चाहिए।
2. साक्षरता को बढ़ाना चाहिए। सभी लोग कम से कम पाँच महिलाओं को शिक्षित कराना चाहिए।
3. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए नागरिकों को आगे कदम बढ़ाना चाहिए।
4. हर नागरिक को सच्चाई तथा ईमानदारी से रहना चाहिए।
5. दूसरों के प्रति आदर भावक गुण को अपनाना चाहिए।
6. खूब परिश्रमी होना चाहिए।
7. अपने जीवन में पहले एक लक्ष्य को बनाना चाहिए। उसे प्राप्त करने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए।
8. नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना चाहिए।
9. अधिक से अधिक पौधे लगाना चाहिए।

प्र.2. टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं। क्यों?

उ. टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं। जब भी अंतरिक्ष विज्ञान और मिज़ाइल की बात की जातो है, तो सभी के मस्तिष्क में एक ही नाम गूँजता है - 'ए.पी.जे. अब्दुल कलाम'। सच्चे अर्थों में वे देश के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श हैं। उन्होंने दुनिया के मानचित्र में भारत को जो स्थान दिलाया है, उसके लिए भारतवासी उ नकेऋणीं है। टेसी थॉमस को गर्व हैं कि अब्दुल कलाम जी उनके गुरुहैं। वे महान हैं। वे महान रहेंगे। टेसी थॉमस ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नेतृत्व में कामकर चुकी है और उनका मानना है कि उनकी नेतृत्व क्षमता बेमिसाल है। इसलिए टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मान कर गर्व अनुभव करती हैं।

इ. किसी एक साक्षात्कार को उचित शीर्षक देते हुए निबंध के रूप में लिखिए।

अग्नि - पुत्री - टेसी थॉमस

टेसी थॉमस का जन्म केरल स्थित अलप्पुझा में हुआ। उनकी शिक्षा-दीक्षा भी यहीं हुई। उन को बचपन से ही कुछ अलग करने की चाह थी। वे अंतरिक्ष के सपने देखती थीं। इसलिए गणित और विज्ञान को उन्होंने अपने तन-मन में बसा लिया। इसमें उनके अध्यापकों का बहुत बड़ा योगदान रहा। टेसी जी ने दुपनी मेह्नत, लगन और दृढ़-निश्चय से पुरुष - वर्चस्व वाले रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन(डी.आर.डी.ओ.) में, सन् 1985 में एक युग - वैज्ञानिकके रूप में चुनी गई। देश भर के दस युवा - वैज्ञानिकों में एक थी।

प्रमुख वैज्ञानिक एवं मिसाइल मैन 'ए.पी.जे. अब्दुल कलाम असामान्य नेतृत्व में टेसी जी काम कर चुकी है। अग्नि-५ कार्यक्रम की निदेशिका बनी। उन्होंनेदेश के किसी क्षिपणी - परियोजना (मिसाइल प्रोजेक्ट) की पह्ली महिला प्रमुख बनने का गौरव प्राप्त किया।

उनको भारत की 'प्रथम मिज़ाइल' वुमन' और 'अग्नि-पुत्री' कहते हैं। ऐसे कहने पर उनको बेह्द खुशी होती है।

वे ए.पी.जे अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं और ऐसे मानने में गर्व भी करती हैं। वे गर्व के साथ कहती हैं कि कलाम जी मेरे गुरु हैं। उन्होंने मुझे प्रेरणा के 'अग्नि पंख' दिए हैं। अग्नि मिसाइल' के अभियान से जुड़कर जो आनंद प्राप्त हुआ है, वे सदा याद रहेंगे।

वे बच्चों को सुझाव देती हैं कि बच्चे जो भी पढ़े, ध्यान से पढ़े, मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रूके नहीं। जो उन्हें पसंद हैं उनमें अपना जी-जान लगादें। कमर कसकर तैयारी करें। सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी। वे भारतीय संस्कृति और सादगी की प्रति मूर्ति हैं। बच्चों को, खासकर लड़कियों को उस महान महिला को आदर्श बनाना चाहिए।

ई. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचार आदर्श योग्य हैं।
इन विचारों को अमल में लाने के लिए आप क्या करेंगे?

उ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आदर्श विचार अनुकरणीय हैं। इन विचारों को अमल में लाने के लिए मैं ये करूँगा :

1. मैं कम से कम पाँच निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करूँगा।
2. वर्तमान समस्याओं में बढ़ती जन संख्या से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को बताकर उसे (कम) नियंत्रित करने की कोशिश करूँगा।
3. बाल मज़दूरी को दूर करने का प्रयत्न करूँगा।
4. छुट्टियों में प्रौढ़ व्यक्तियों भी शिक्षित करना चाहूँगा।
5. भ्रष्टाचार से दूर रहूँगा और दूसरों को भी भ्रष्ट नहीं होने दूँगा।

6. एक छात्र होने के नाते में खूब परिश्रम कर पढ़ूँगा और लक्ष्य की ओर बढ़ूँगा। समय-समय पर पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाने की कोशिश करूँगा। इस प्रकार मैं अब्दुल कलाम जी के विचारों को अमल में लाने के लिए भरसक कोशिश करूँगा।

भाषा की बात :

अ. कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. प्रतिभा, परिश्रम, छात्र, शिक्षा (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए। पर्याय शब्द लिखिए) वाक्य प्रयोग:

क. प्रतिभा - हर व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा होती है।

ख. परिश्रम - परिश्रम का फल मीठा होता है।

ग. छात्र - राम एक अच्छा छात्र है।

घ. शिक्षा - जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व है।

पर्याय शब्द :

क. प्रतिभा - कौशल, नैपुण्य, निपुणता

ख. परिश्रम - मेहनत, श्रम

ग. छात्र - विद्यार्थी, चेला, शिष्य, अभ्यासी, अद्येता

घ. शिक्षा - विद्या, पढ़ाई, तालिम

2. संभव, ज्ञान, बढ़िया, साकार (विलोम शब्द लिखिए। वाक्य प्रयोग कीजिए)

उ. ***विलोम शब्दः***

क. संभव × असंभव

ख. ज्ञान × अज्ञान

ग. बढ़िया × घटिया

घ. साकार × निराकर

वाक्य प्रयोग :

क. **असंभव** कार्य परिश्रम से **संभव** होतें हैं।

ख. **ज्ञान** से **अज्ञान** मिटता है।

ग. दुकान में **बढ़िया** तथा **घटिया** हर तरह का माल था।

घ. किसी के लिए भगवान साकार है तो किसी के लिए निराकार।

3. छात्रा, छुट्टी, पोंधा, बात (वचन बदलिए। वाक्य प्रयोग कीजिए)

उ. वचन

क. छात्रा - छात्राएँ

ख. छुट्टी - छुट्टियाँ

ग. पौधा - पौधे

घ. बात - बातें

वाक्य प्रयोग :

क. छात्रा - मैं दसवीं कक्षा की **छात्रा** हूँ।

ख. छुट्टी - मैं कल छुट्टी पर था।

ग. पौधा - गरमी से पौधा सूख गया।

घ. बात - उन्होंने सच्ची बात कही थी।

आ. सूचना पढ़िए । उसके अनुसार कीजिए।

1. निर्धन, संकल्प (संधि विच्छेद कीजिए)

उ. निर्धन = निः + धन (विसर्ग संधि)

संकल्प = सम् + कल्प (व्यंजन संधि)

2. सुबह - शाम, युवाशक्ति (समास पहचानिए।)

उ. *समास पद - विग्रह - समास का नाम*

सुबह - शाम - सुबह और शाम (द्वंद्व समास)

युवाशक्ति - युवा की शक्ति (तत्पुरुष समास)

इ. रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए और इन्हें समझिए।

1. राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान कुछ बालकों ने उनका साक्षात्कार लिया था।

2. निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढ़िया काम करने की ओर बढ़ते रहें।

दोनों वाक्यों में रेखांकित शब्द 'शब्द-भेद' के अंतर्गत आते हैं -

1. कार्यकाल - संज्ञा, पुल्लिंग

कुछ - विशेषण, अनिश्चय वाचक सर्वनाम?

उनका - पुरुष वाचक सर्वनाम

2. निरंतर - क्रिया विशेषण

बढ़िया - विशेषण

की ओर - सम्बन्ध वाचक

ई. रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिये गये शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

एक **छात्र** होने के नाते आप जिस **कक्षा** में भी पढ़ते हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

(नागरिक-देश, खिलाड़ी-खेल, कलाकार-कला, अध्यापक-विषय, परीक्षार्थी-परीक्षा)

उ.1. एक **नागरिक** होने के नाते आप जिस **देश** में भी **रहत** हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

2. एक **खिलाडी** होने के नाते आप जिस **खेल** में भी **खेलत** हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

3. एक **कलाकार** होने के नाते आप जिस **कला** में भी **प्रवीण** हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

4. एक **अध्यापक** होने के नाते आप जिस **विषय** में भी सक्षम हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।

5. एक **परीक्षार्थी** होने के नाते आप जिस **परीक्षा** में भी **बैठते** हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें।